राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3645

24 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

देश में इस्पात उद्योग को पेश आ रही समस्याएं

3645. श्री मनीष गुप्ताः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के इस्पात उद्योग को पेश आ रही मुख्य समस्याएं कौन-कौन सी हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) लोहा और कच्चे इस्पात के उत्पादन के संबंध में भारत विश्व में कौन-से स्थान पर है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या देश के अधिकतर इस्पात संयंत्रों में आधुनिक तकनीक की कमी है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): भारतीय इस्पात उद्योग के समक्ष प्रमुख समस्याएं, कच्चे माल की अपर्याप्त उपलब्धता, आयातित कोकिंग कोल पर निर्भरता, पूँजी की उच्च लागत, उच्च लॉजिस्टिक लागत, बिजली की उच्च लागत, पर्यावरण मंजूरी सहित भूमि अधिग्रहण और सांविधिक मंजूरी इत्यादि है।

(ख): भारत, विश्व में क्रूड इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विश्व क्रूड इस्पात उत्पादन - 2018		
स्थान	**देश**	**मात्रा (एमटी में)**
1	चीन	928.30
2	भारत	106.50
3	जापान	104.30
4	यूएसए	86.60
5	दक्षिण कोरिया	72.50
6	रूस	71.70
7	जर्मनी	42.40
8	तुर्की	37.30
9	ब्राजील	34.90
10	इटली	24.50
	विश्व	1808
स्रोत: वर्ल्ड स्टील		

(ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। तकनीकी-वाणिज्यिक आधार और बाजार माँग पर प्रौद्योगिकी की उपयोगिता और इस्पात के ग्रेड निर्धारित किए जाते हैं।

****